



24 May, 2024

इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड

संदर्भ: भारतीय सशस्त्र बल, एकीकृत थिएटर कमांड के निर्माण के लिए अंतिम मसौदे को दुरुस्त कर रहे हैं।

परिभाषा: एक भौगोलिक क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए एक ही कमांडर के अधीन सेना, नौसेना और वायु सेना के संसाधनों का संयोजन इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड कहलाता है।

उदाहरण: थिएटर कमांड चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में मौजूद हैं।

प्रस्तावित थिएटर कमांड:

- उत्तरी कमान: चीन सीमा के लिए।
- पश्चिमी कमान: पाकिस्तान सीमा के लिए।
- दक्षिणी कमान: समुद्री भूमिका के लिए।

भारत में वर्तमान कमांड:

- सेना: 7 कमान (उत्तरी, पूर्वी, दक्षिणी, पश्चिमी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी, सेना प्रशिक्षण कमान)।
- वायु सेना: 7 कमानें (पश्चिमी, पूर्वी, दक्षिणी, दक्षिण-पश्चिमी, मध्य, प्रशिक्षण, रखरखाव)।
- नौसेना: 3 कमांड (पश्चिमी, पूर्वी, दक्षिणी)।
- नेतृत्व: प्रत्येक कमांड का नेतृत्व एक चार सितारा सैन्य कमांडर द्वारा किया जाता है।

इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड की आवश्यकता:

- उद्देश्य: सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच सहयोग को बढ़ाना।
- कार्य: विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों को सुरक्षित करने के लिए एकीकृत कमांड।
- लाभ:
 - बेहतर सैन्य अनुकूलना
 - सैन्य हार्डवेयर और संसाधनों का अनुकूलना
 - प्रशिक्षण और प्रशासनिक आवश्यकताओं की बेहतर समझ
 - उन्नत गतिशीलता और उपकरण पूर्व-स्थिति।

थिएटर और भारत:

- सिफारिशें: कारगिल समीक्षा समिति, नरेश चंद्र समिति और मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने उच्च रक्षा प्रबंधन सुधारों का आह्वान किया था।
- शक्तिशाली समिति: चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और थिएटर कमांड के निर्माण की सिफारिश की थी।

थिएटर कमांड के लिए हालिया प्रयास:

- राष्ट्रीय रक्षा समिति का प्रस्ताव: संभवतः रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में एक समिति के तहत थिएटर कमांड।
- अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम 2023:
 - यह कमांडरों को अन्य सेवाओं के कर्मियों पर अनुशासनात्मक और प्रशासनिक शक्तियां प्रदान करता है।
 - संयुक्तता को बढ़ावा देने के लिए सीमित क्रॉस-पोस्टिंग की व्यवस्था की गई है।
 - हालांकि इस मुख्यालय का पुनर्गठन सरकार की मंजूरी के लिए लंबित है।
- पहला ट्राई-सर्विस कॉमन डिफेंस स्टेशन:
 - मुंबई को पहले ट्राई-सर्विस कॉमन डिफेंस स्टेशन में परिवर्तित किया जाएगा।
 - देश भर में अतिरिक्त संयुक्त लॉजिस्टिक्स नोड स्थापित किए जाएंगे।

एकीकृत थिएटर कमांड के लिए प्रस्तावित संगठनात्मक संरचना

- वाइस चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस):

- यह संभवतः जनरल या समकक्ष रैंक का अधिकारी है।
- इसका कार्य रणनीतिक योजना, क्षमता विकास और खरीद की निगरानी करना है।
- डिप्टी सीडीएस:
 - यह संभवतः लेफ्टिनेंट जनरल या समकक्ष रैंक का अधिकारी होता है।
- कमान मुख्यालय:
 - वेस्टर्न थिएटर कमांड: जयपुर।
 - नॉर्दर्न थिएटर कमांड: लखनऊ।
 - मैरीटाइम थिएटर कमांड: कोयंबटूर (प्रयागराज में भारतीय वायुसेना की मध्य कमान और तिरुवनंतपुरम में दक्षिणी वायु कमान शामिल है)।

मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र का वैश्विक मूल्यांकन

संदर्भ: इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के हालिया वैश्विक मूल्यांकन ने दुनिया के मैंग्रोव वनों के लिए एक निराशाजनक दृष्टिकोण को उजागर किया है।

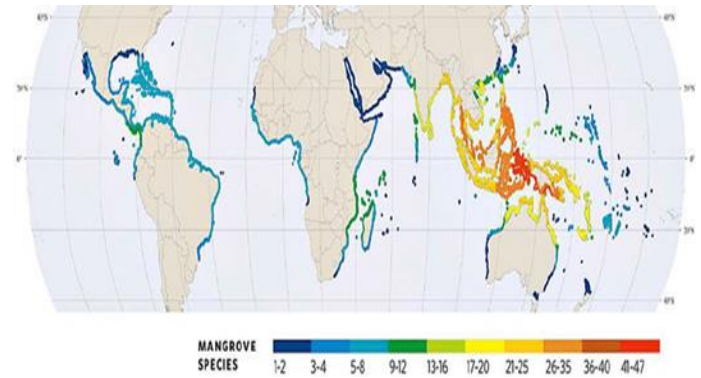
संचालन: इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन)।

दायरा: पारिस्थितिक तंत्र की IUCN लाल सूची का उपयोग करके मैंग्रोव का मूल्यांकन किया गया।

कवरेज: 44 देशों में 36 क्षेत्र।

मूल्यांकन के मुख्य बिंदु:

- कारण:
 - मानवीय गतिविधियाँ: वनों की कटाई, विकास, प्रदूषण, बांध निर्माण।
 - जलवायु परिवर्तन: गंभीर तूफानों की आवृत्ति में वृद्धि, समुद्र के स्तर में वृद्धि।
- जोखिम स्थिति:
 - 50% से अधिक मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र समाप्त होने के करार पर हैं।
 - 50% को असुरक्षित, लुप्तप्राय या गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
 - 19.6% को लुप्तप्राय या गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में चिह्नित किया गया है।
 - जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से 33% को खतरा है।
- क्षेत्रीय वर्गीकरण:
 - गंभीर रूप से लुप्तप्राय: दक्षिण भारत, श्रीलंका, मालदीव, उत्तर पश्चिम अटलांटिक के मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र।
 - लुप्तप्राय: अगुलहास, मध्य प्रशांत, पूर्वी कोरल त्रिभुज, पूर्व मध्य और दक्षिण पूर्व ऑस्ट्रेलियाई शेल्फ, लाल सागर, अदन की खाड़ी, दक्षिण चीन सागर के मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र।



Face to Face Centres





24 May, 2024

➤ **पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार और महत्व:**

- **कवरेज:** इसका विस्तार 150,000 वर्ग किलोमीटर, उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय और गर्म समशीतोष्ण तटों पर है।
- **समुद्रतटीय उपस्थिति:** विश्व की समुद्रतटीय उपस्थिति का 15% भाग मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र से आच्छादित है।
- **महत्त्व:**
 - जैव विविधता संरक्षण।
 - स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका।
 - जलवायु परिवर्तन शमन।

➤ **कार्बन पृथक्करण और संरक्षण।**

- **कार्बन भंडारण:** लगभग 11 अरब टन कार्बन को अलग करता है।
- **सुरक्षा:** 15.4 मिलियन लोगों की रक्षा हेतु प्रतिबद्ध।

➤ **भविष्य के अनुमान।**

- **संभावित हानि:**
 - 2050 तक 5%, या 7,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र का नुकसान होने की संभावना है।
 - 16%, या 23,672 वर्ग किलोमीटर, क्षेत्र जलमग्न हो सकता है।
- **कार्बन सिंक की हानि:** 1.8 बिलियन टन कार्बन सिंक खोने का जोखिम बना हुआ है।
- **आर्थिक प्रभाव:** स्वेच्छक कार्बन बाजार मूल्यों में \$13 बिलियन का संभावित नुकसान हो सकता है।
- **मानव प्रभाव:** लगभग 2.1 मिलियन लोगों का जीवन खतरे में है।

➤ **संरक्षण महत्व**

- **जलवायु शमन हेतु:**
 - मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र की हानि समुद्र के स्तर में वृद्धि कर सकती है।
 - इसके साथ ही चरम मौसम की घटनाओं से अंतर्देशीय सुरक्षा की आवश्यकता है।

➤ **सिफारिशें:**

- उपलब्ध होने पर राष्ट्रीय, उप-राष्ट्रीय या निचले स्तर के मूल्यांकन परिणामों का उपयोग किया जा सकता है।
- बढ़े हुए लचीलेपन के लिए मैंग्रोव संरक्षण और पुनर्स्थापन को बढ़ावा देना आवश्यक है।

विश्व आर्थिक मंच: यात्रा और पर्यटन

विकास सूचकांक 2024

संदर्भ: विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) द्वारा हाल ही में यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक, 2024 जारी किया गया है।

➤ **भारत की रैंकिंग में सुधार:**

- **नई रैंक:** विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक 2024 में भारत 39वें स्थान पर पहुंच गया है।
- **पिछली रैंक:** 2021 में 54वीं रैंक।

- **सहयोग:** रिपोर्ट यूके स्थित सरे विश्वविद्यालय के साथ संकलित की गई थी।
- **क्षेत्रीय स्थिति:** भारत दक्षिण एशिया और निम्न-मध्यम-आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में सर्वोच्च स्थान पर है।
- **शीर्ष देश:** अमेरिका, स्पेन, जापान, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया 2024 में शीर्ष पांच में हैं।

➤ **रिपोर्ट के बारे में;**

- इस द्विवार्षिक सूचकांक में 119 देशों के यात्रा और पर्यटन क्षेत्रों का आकलन किया गया।
- **घटक:** इसमें 5 आयाम, 17 स्तंभ और 102 व्यक्तिगत संकेतक शामिल हैं। सूचकांक गणना में आयामों को शामिल नहीं किया जाता है।
- **निष्कर्ष:** उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाएं आम तौर पर अनुकूल व्यावसायिक वातावरण, गतिशील श्रम बाजार, खुली यात्रा नीतियों, मजबूत परिवहन और पर्यटन बुनियादी ढांचे और अच्छी तरह से विकसित आकर्षणों के कारण यात्रा और पर्यटन विकास के लिए बेहतर स्थितियां बनाए रखती हैं।

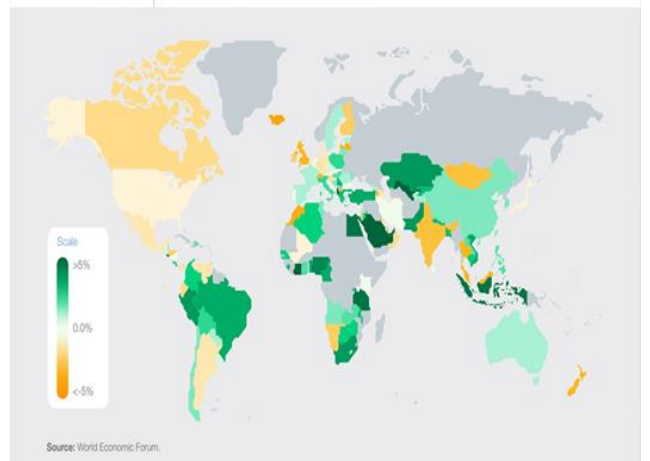
➤ **भारत की स्थिति:**

- **रैंकिंग में सुधार:** 2021 में 54वें से 39वें स्थान पर पहुंच गया।
- **मानदंड में बदलाव:** सूचकांक मानदंड में बदलाव की सीमा 2022 और 2023 से सीधी तुलना है।
- **प्रतिस्पर्धात्मकता:** उच्च मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता (18वां), प्रतिस्पर्धी हवाई परिवहन (26वां) और जमीन और बंदरगाह बुनियादी ढांचा (25वां)।
- **संसाधन:** मजबूत प्राकृतिक (6 ठे), सांस्कृतिक (9वें), और गैर-अवकाश (9वें) संसाधन।
- **टीटीडीआई स्कोर:** कुल स्कोर 2019 की तुलना में 2.1 प्रतिशत कम है।

➤ **विकासशील देशों का प्रदर्शन:**

- **सुधार:** 2019 के बाद से 71 अर्थव्यवस्थाओं ने अपने टीटीडीआई स्कोर में सुधार किया है, जिनमें से 52 निम्न से उच्च-मध्यम-आय वर्ग में हैं।
- **शीर्ष सुधारकर्ता देश:** सऊदी अरब (+5.7%, 50वें से 41वें) और संयुक्त अरब अमीरात (+4.4%, 25वें से 18वें)।

FIGURE 5 | TTDI score, 2019-2024, percentage change





NEWS IN BETWEEN THE LINES

प्रवरा नदी



हाल ही में, महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में, प्रवरा नदी में एक बचाव अभियान के दौरान नाव पलट जाने से राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के तीन कर्मियों की मृत्यु हो गई।

प्रवरा नदी के बारे में:

- प्रवरा नदी भारत के महाराष्ट्र में स्थित गोदावरी नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है।
- यह गोदावरी की सात प्रमुख सहायक नदियों में सबसे छोटी है।
- इसका उद्गम पश्चिमी घाट में सह्याद्रि के पूर्वी ढलानों पर, कुलंग और रतनगढ़ पहाड़ों के बीच होता है।
- यह भंडारदरा से होकर पूर्व की ओर बहती है, जहां भंडारदरा बांध डाउनस्ट्रीम रिलीज के दौरान आर्थर झील और छाता झरना बनाती है।
- प्रवरा नदी को विभिन्न सहायक नदियों से योगदान मिलता है, जिनमें महालुंगी और मुला नदियां उल्लेखनीय हैं।
- भंडारदरा बांध जिसे विल्सन बांध के नाम से भी जाना जाता है, प्रवरा नदी पर स्थित है।
- निलवडे बांध, जिसे ऊपरी प्रवरा बांध भी कहा जाता है, भारत के महाराष्ट्र राज्य में प्रवरा नदी पर दूसरा सबसे बड़ा बांध है।

रोडोडेंड्रोन



हाल ही में तुर्की के कायेरी में एक दुकान में 'मैड हनी' को प्रदर्शित किया गया है, जो पॉटिक आल्प्स के रोडोडेंड्रोन फूलों से प्राप्त होता है और इसके स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है।

रोडोडेंड्रोन के बारे में:

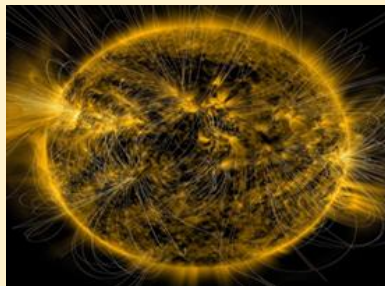
- रोडोडेंड्रोन एक फूलदार पौधों की जीनस है जो एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया के कई क्षेत्रों में स्थानिक है।
- यह अपने आकर्षक फूलों और सुंदर पत्तियों के लिए जाना जाता है और विभिन्न प्रकार के आवासों में उग सकता है, जिनमें अल्पाइन क्षेत्र, शंकुधारी और चौड़ी पत्तियों वाले वुडलैंड्स, समशीतोष्ण वर्षा वन और उष्णकटिबंधीय जंगल शामिल हैं।
- भारत में, रोडोडेंड्रोन की 132 टैक्सा (80 प्रजातियाँ, 25 उप-प्रजातियाँ और 27 किस्में) पाई जाती हैं, जिसमें से एक-तिहाई से अधिक (34%) रोडोडेंड्रोन प्रकार दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय में पाए जाते हैं।
- रोडोडेंड्रोन अबॉरियम नागालैंड का राज्य पुष्प और उत्तराखंड का आधिकारिक राज्य वृक्ष है, जबकि गुलाबी रोडोडेंड्रोन हिमाचल प्रदेश का राज्य पुष्प है।
- इसे पारंपरिक औषधि में भी उपयोग किया जाता है, और इन पौधों की छाल, पत्तियों और फूलों का उपयोग बुखार, सिरदर्द और सूजन जैसी विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है।

मैड हनी:

- मैड हनी (तुर्की में कोमार हनी) एक गहरे, लाल रंग का शहद है जिसमें ग्रायनोटॉक्सिनस होते हैं और इसे रोडोडेंड्रोन जीनस के अमृत और पराग से उत्पादित किया जाता है।
- इसका नशीला प्रभाव होता है और इसे तुर्की और नेपाल में पारंपरिक औषधि और मनोरंजक दवा के रूप में उपयोग किया जाता है।
- तुर्की में इसे देली बल के नाम से जाना जाता है और इसे सामान्यतः कॉकस क्षेत्र में रोडोडेंड्रोन ल्यूटियम और रोडोडेंड्रोन पॉटिकम के अमृत से बनाया जाता है।
- हिंदू कुश हिमालयी क्षेत्र में इसे हिमालयन विशाल मधुमक्खियों (Apis laboriosa) द्वारा उत्पादित किया जाता है।
- 'मैड हनी' हृदय की धड़कन, पाचन समस्याओं और यहां तक कि नपुंसकता को भी ठीक कर सकता है।
- हालांकि, इसके स्वास्थ्य लाभों के बावजूद, हर साल सैकड़ों लोग इस पदार्थ का अधिक सेवन करने के बाद अस्पताल में भर्ती हो जाते हैं।

हाल के अध्ययन से संकेत मिला है कि चुंबकीय क्षेत्र सतह से लगभग 20,000 मील नीचे उत्पन्न होता है, जो 130,000 मील के पहले के अनुमान से अधिक है।

सूर्य का चुंबकीय क्षेत्र



सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र के बारे में:



- सूर्य का चुंबकीय क्षेत्र आवेशित कणों की गति से उत्पन्न होता है, जो की एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।
- यह कोरोना, प्रकाशमंडल और क्रोमोस्फीयर में समाहित होता है।
- सौर माध्य चुंबकीय क्षेत्र (एसएमएमएफ) सूर्य की सतह पर उसके चुंबकीय क्षेत्र की औसत शक्ति और दिशा है।
- सूर्य का चुंबकीय क्षेत्र सौर डायनेमो नामक एक जटिल प्रक्रिया द्वारा निर्मित होता है, जो सूर्य के संवहन क्षेत्र में गर्म, आयनित गैसों के प्रवाह से विद्युत धाराओं द्वारा उत्पन्न होता है।
- यह उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के बीच लगभग सीधी रेखा है, लेकिन प्रत्येक सौर चक्र के चरम पर हर 11 साल में इसकी ध्रुवता बदल जाती है।
- सूर्य के 22-वर्षीय चुंबकीय डायनेमो चक्र के पहले भाग के दौरान, चुंबकीय उत्तरी ध्रुव उत्तरी गोलार्ध में होता है और चुंबकीय दक्षिणी ध्रुव दक्षिणी गोलार्ध में होता है।
- यह सूर्य के 11-वर्षीय गतिविधि चक्र के लिए जिम्मेदार है और सूर्य की सतह पर सनस्पॉट बनाता है।

Face to Face Centres





24 May, 2024

<p>सुर्खियों में व्यक्तित्व</p> <p>बछेंद्री पाल</p> 	<p>भारतीय पर्वतारोही बछेंद्री पाल का जन्म 24 मई 1954 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में एक भोटिया परिवार में हुआ था।</p> <p>योगदान:</p> <ul style="list-style-type: none"> 23 मई 1984 को बछेंद्री पाल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर कदम रखने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। वह अपने दो पुरुष सहयोगियों, पर्वतारोहण इंस्पेक्टर लहाटू दोरजी, 39 और नेपाली शेरपा सरदार अंग दोरजी के साथ साउथ कोल मार्ग से एवरेस्ट पर पहुंचीं। 1993 में, बछेंद्री पाल ने भारत-नेपाली महिला एवरेस्ट अभियान का नेतृत्व किया, जिसमें सात महिलाएं शामिल थीं जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। 2009 में, उन्होंने पहले पूर्ण-महिला ट्रांस-हिमालयी अभियान का नेतृत्व किया, जो अरुणाचल प्रदेश से सियाचिन ग्लेशियर तक 4,000 किमी की यात्रा थी। उन्होंने "एवरेस्ट - माई जर्नी टू द टॉप" शीर्षक से अपनी आत्मकथा लिखी। <p>पुरस्कार और सम्मान:</p> <ul style="list-style-type: none"> बछेंद्री पाल को 1984 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। खेल में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए उन्हें 1986 में अर्जुन पुरस्कार मिला। उन्हें भारत सरकार द्वारा 1994 में राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
<p>सुर्खियों में स्थल</p> <p>नॉर्वे</p>	<p>हाल ही में, नॉर्वे ने घोषणा की कि वह 29 मई से रूसी पर्यटकों के लिए अपनी सीमा बंद कर देगा, जिससे यूरोप के सीमा-मुक्त शेंगेन क्षेत्र तक उनकी अंतिम सीधी पहुंच प्रभावी रूप से बंद हो जाएगी।</p> <p>नॉर्वे (राजधानी: ओस्लो)</p> <p>अवस्थिति : नॉर्वे, जिसे औपचारिक रूप से नॉर्वे साम्राज्य के रूप में जाना जाता है, उत्तरी यूरोप में एक नॉर्डिक देश है, जो स्कैंडिनेवियाई प्रायद्वीप पर स्थित है।</p> <p>सीमाएं: नॉर्वे अपनी सीमाएँ स्वीडन (पूर्व), फ़िनलैंड और रूस (उत्तर पूर्व), नॉर्वेजियन सागर, अटलांटिक महासागर (पश्चिम और दक्षिण), आर्कटिक महासागर (उत्तर), उत्तरी सागर (दक्षिण) के साथ साझा करता है।</p> <p>भौतिक विशेषताएं:</p> <ul style="list-style-type: none"> नॉर्वे का सबसे ऊँचा स्थान गैल्डहोपिंगेन है। नॉर्वे की प्रमुख नदियों में ग्लोम्मा, न्यूमेडल्लसलोगेन, ड्राम्सेल्वा, ताना और वेफ्सना शामिल हैं। नॉर्वे लौह अयस्क, तांबा, जस्ता, निकल, टाइटेनियम और फॉस्फेट जैसे खनिजों से समृद्ध है। <p>सदस्यता: यह नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) का सदस्य है।</p> 

POINTS TO PONDER

- नेपाल की ओर से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले भारत के सबसे युवा और दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के व्यक्ति कौन बने? – **काम्या कार्तिकेयन**
- भारतीय कपड़ा उद्योग परिसंघ (CITI) ने भारतीय कपड़ा उद्योग को 2030 तक 350 बिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए सरकार से क्या सुनिश्चित करने का आग्रह किया है? – **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कपास और मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) की उपलब्धता**
- सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में किस भारतीय राज्य में फ़ॉरेनर्स ट्रिब्यूनल द्वारा विदेशी घोषित की गई महिला के निर्वासन पर रोक लगा दी? – **असम**
- हाल ही में खबरों में रही शुक्र के वायुमंडल में बादलों की संरचना क्या है? – **सल्फ्यूरिक एसिड की बूंदें**
- मिजोरम के फोंगपुई राष्ट्रीय उद्यान में पाए जाने वाले दुर्लभ अर्ध-परजीवी स्थलीय पौधे "फेथिरोस्पर्म लुशायोरम" का नाम किस जनजाति के नाम पर रखा गया है? – **लुशाई जनजाति**

Face to Face Centres

